



टेलर मास्टर से चुद गई रोमा-2

“उसने मुझे अपने से इस तरह चिपका लिया था कि उसका खड़ा लंड मेरे चूतड़ों की दरार में घुसने लगा। वो मेरे मम्मों दबाए जा रहा था और मैं भी अब गर्म होने लगी थी। फिर उसने धीरे से ब्लाउज के हुक खोल कर ब्लाउज को निकाल फेंका और मुझे कहने लगा-

मैम, आपको पता [...] ...”

Story By: (ro888ma)

Posted: Sunday, May 18th, 2014

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [टेलर मास्टर से चुद गई रोमा-2](#)

टेलर मास्टर से चुद गई रोमा-2

उसने मुझे अपने से इस तरह चिपका लिया था कि उसका खड़ा लंड मेरे चूतड़ों की दरार में घुसने लगा। वो मेरे मम्मों दबाए जा रहा था और मैं भी अब गर्म होने लगी थी। फिर उसने धीरे से ब्लाउज के हुक खोल कर ब्लाउज को निकाल फेंका और मुझे कहने लगा- मैम, आपको पता नहीं है कि आपके ये कबूतर कितने सेक्सी हैं बहुत नर्म-नर्म हैं ये..!

और फिर से मेरे मम्मों दबाते हुए मेरी गर्दन पर चुम्बन करने लगा।

मैं उससे कहने लगी- देखो ऐसा मत करो..

तो उसने कहा- मैम, मुझे पता है कि यह आपको भी अच्छा लगा रहा है, तो प्लीज़ आप इसके मजे लो।

फिर उसने मुझे अपनी तरफ घुमाया और मेरे होंठों को चूसने लगा और मुझे दीवार से टिका दिया। मुझे भी अच्छा लगने लगा तो मैंने अपने आप को उसे सौंपते हुए मैं भी उसके होंठों को चूसने लगी।

कुछ देर तक हम दोनों ऐसे ही एक-दूसरे के होंठों को चूमते रहे। फिर उसने मेरी ब्रा को नीचे कर के मम्मों को बाहर निकाल कर एक चूची को अपने मुँह में लेकर चूसने लगा तथा दूसरी चूची को हाथ से दबाने लगा।

मैं अब और ज्यादा गर्म हो गई और मेरे मुँह से सिसकारियाँ निकलने लगीं।

मैं अपने हाथ को उसके सिर के बालों में घुमा रही थी, कभी वो मेरी एक चूची को चूसता तो कभी दूसरी चूची को..

फिर वो धीरे-धीरे नीचे जाने लगा, मेरी नाभि में अपनी जुबान डाल कर उसे भी चूमने लगा।

अब वो अपने घुटनों के बल बैठ गया था और मेरी जाँघों पर हाथ फिराने लगा। फिर उसने अपने हाथों को मेरी स्कर्ट के अन्दर डाल दिया और मेरी चूत को पैन्टी के ऊपर से ही सहलाने लगा।

अचानक उसने मेरी स्कर्ट के अन्दर अपना सिर डाल दिया और पैन्टी के ऊपर से ही चूत को चूमने लगा। उसकी इस हरकत से मेरी पैन्टी गीली हो गई थी और मुझे बहुत अच्छा लग रहा था।

फिर उसने अपने दोनों हाथों को मेरी पैन्टी की इलास्टिक में फँसाया और उसने पैन्टी को नीचे सरकाने की कोशिश करने लगा, मगर मैंने पैर अच्छी तरह भींच लिए कि पैन्टी जरा भी नहीं खिसके।

अब वह जीभ से पैन्टी के ऊपर से ही चूत को इस कदर तेजी से सहलाने लगा कि मैंने अपने आप को ढीला छोड़ दिया।

उसने अब एक उंगली पैन्टी के बाजू से चूत के छेद पर रखकर धीरे से दबाव बनाया तो उंगली चूत के अन्दर चली गई। उंगली को वह अन्दर-बाहर इस तरह से कर रहा था कि साथ में मेरी चूत के दाने को भी रगड़ मिल रही थी।

वो यह सब मेरी स्कर्ट के अन्दर ही कर रहा था। मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। बस मैं महसूस कर रही थी कि वो क्या-क्या कर रहा है।

मैंने अपने पैरों को ढीला कर दिया था, तो उसने पैन्टी थोड़ी नीचे करके चूत के ऊपरी भाग पर होंठ रख दिए।

मैं अनियंत्रित सी हो गई तथा मैं उसके सिर को अपनी चूत पर दबाने लगी।

उसने मौका देख पैन्टी को पूरा नीचे सरका दिया और मेरे पैरों से उसे निकालने लगा। तो मैंने भी उसका साथ देते हुए अपने पैरों में से पैन्टी को निकालने में उसकी मदद की और फिर वो चूत को जीभ से सहलाने लगा।

वो जोर-जोर से मेरी चूत में अपनी जीभ डाल रहा था और मेरी चूत को चूसे जा रहा था। मैं पागलों की तरह सिसकारियाँ ले रही थी और उसके सिर को अपनी चूत पर दबाए जा रही थी।

कुछ देर वो चूत को चूसता ही रहा फिर वो खड़ा हो गया और अपनी टी-शर्ट उतारने लगा। अब मैं अपने घुटनों पर बैठ गई और उसकी जींस के बटन को खोल कर जींस नीचे कर दिया।

तब मैंने देखा कि उसका लंड उसकी अंडरवियर में इतना बड़ा लग रहा था कि वो अभी अंडरवियर को फाड़ कर जैसे बाहर आ जाएगा। फिर मैंने उसकी अंडरवियर में हाथ डाल कर उसके लंड को बाहर निकाल लिया, बहुत ही मस्त और जानदार लंड मेरे हाथ लगा था।

फिर उसने अपनी जींस और अंडरवियर भी उतार दिया और मेरे शरीर पर जो ब्रा और स्कर्ट था उसने उसे भी उतार दिया।

अब हम दोनों ही पूर्ण नग्न हो गए थे। मुझे बहुत शर्म आ रही थी क्योंकि मैं उसके सामने बिल्कुल नंगी थी।

वो बोला- देखो जान, बेशरम बन जाओ, तभी मज़ा ले सकोगी।

मैंने भी सोचा कि जब चुदवाना ही है तो शरमाना कैसा !

तो क्यों न बेशरम बन कर ही चुदवाऊँ !

तो फिर मैंने काँपते हाथों से उनका लंड पकड़ा, वो एकदम गर्म था, मैंने उसको अपने होंठों से लगाया।

मैंने उसके लंड को चारों तरफ चूमना शुरू कर दिया।

उसके मुँह से 'ओह मेरी जान आ.. या..या बड़ा मज़ा आ रहा है..' इस तरह के शब्द निकलने लगे।

मैंने उसके लंड की टोपी पर अपनी ज़ुबान रखी तो उसने मेरे बाल पकड़ कर मेरे मुँह में अपना लंड ज़बरदस्ती घुसेड़ दिया।

उसकी ताकत के आगे मैं कुछ नहीं कर सकी, उसका पूरा लंड एक झटके में मेरे हलक से जा टकराया।

मैंने लंड मुँह से निकालने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रही।

वो बोला- अगर मैं जानता कि तू मुझसे चुदवाना चाहती है तो तुझे मैं अपने बुटीक में ही चोद देता..!

ऐसा कह कर वो अपना लंड मेरे मुँह में आगे-पीछे करने लगा। उसके झटकों से मेरी आँखों में आँसू आ गए लेकिन अब वो इंसान नहीं, जानवर बन चुका था। उसको मुझे तड़पता देख कर मज़ा आ रहा था।

वो बोला- अब तू मेरी ज़िंदगी है, मेरी जान है !

ऐसी बातें बोलते हुए उसकी स्पीड भी बढ़ गई और दस मिनट बाद ही उसके लंड ने मेरे मुँह में पहली बारिश की। मेरा पूरा मुँह उसकी मलाई से भर गया।

मैंने अपने मुँह से लंड निकालना चाहा लेकिन वो बोला- पी ले ! अब तो तू मेरी जान है, मैं जो कहूँगा, करना पड़ेगा तुझे !

मुझे उसका पूरा पानी पीना पड़ा।

अब मेरा मुँह बुरी तरह दुख रहा था, मैं चाहती थी कि वो मुझे चोदे लेकिन वो मुझे तड़पाना चाहता था।

वो चाहता था कि मैं उनसे बोलूँ कि मुझे चोदो।

उसका पानी निकलने के बाद उसका लंड ढीला हो गया।

वो बेड पर बैठ गया और मुझे अपने पैर पर ऐसे लिटाया कि उनका लंड मेरे मुँह के पास था।

मैं तो ऐसे ही उसके लंड को देख कर पागल हो गई थी, मैं उसके लंड को अपने हाथों से सहलाने लगी और उससे मैंने पूछा- इतना कुछ हमारे बीच हो गया पर तुमने अपना नाम नहीं बताया ?

तो वो कहने लगा कि तूने भी तो अपना नाम नहीं बताया ।

तो फिर मैंने उसे अपना नाम बताया- मेरा नाम रोमा है..!

फिर उसने अपना नाम 'आनन्द' बताया ।

फिर उसने मेरे नंगे बदन पर हाथ फिराते हुए मेरी चूत में अपनी एक उंगली घुसा दी । मेरे मुँह से सिर्फ 'आहह' की आवाज़ निकली ।

वो बोला- तेरी चूत तो एकदम गीली है, लगता है मुँह में जो पानी डाला था वो तेरी चूत से निकल रहा है ! ज़रा बेड पर बैठ कर अपनी टाँगें तो फ़ैला..! मैं तेरी चूत को करीब से देखना चाहता हूँ ।

मैं अब तक बिल्कुल बेशर्म हो चुकी थी । मैं उसके सामने बेड पर अपनी टाँगें फ़ैला कर बैठ गई ।

वो मेरी गुलाबी चूत को देख कर बोला- बहुत प्यासी लग रही है ! लगता है काफी दिनों से नहीं चुदी है, इसकी प्यास और बढ़ाओ तो मज़ा आएगा..!

मुझसे नहीं रहा जा रहा था, मैं बोली- आनन्द, प्लीज़ मुझे चोदो ! मेरी चूत तुम्हारे लंड के पानी के लिए तरस रही है ।

तो उसने कहा- इतनी जल्दी क्या है ? अब तो तू आज पूरी रात के लिए मेरी है ! आज तुझे पूरी रात चोदूँगा और इतनी हसीन जान का इस्तेमाल इतनी जल्दी ठीक नहीं ।

कुछ देर रुक कर हम दोनों ऐसे ही लेटे रहे । वो मेरी चूत सहलाता रहा और मैं उसका लौड़ा हिलाती रही ।

आनन्द का लंड अब फिर से खड़ा होने लगा था, अबकी बार वो और डरावना लग रहा था ।

आनन्द अब मेरे बदन के बाकी हिस्सों को भी सहलाने लगा ।

फिर खुद खड़ा होकर मुझे भी खड़ा होने को बोला और जब मैं उसके सामने खड़ी हुई तो मुझे बांहों में भर लिया और मेरे चूतड़ों को मसलने लगा ।

उसके होंठ मेरे कान पर गए और चूसने लगे मेरी चूत लौड़ा माँग रही थी और बदन खुशी से मस्त हुए जा रहा था ।

जो हो रहा था कभी सोचा भी ना था ।

मेरे चेहरे के हर हिस्से में उस के होंठ की मोहर लग रही थी और होंठ के साथ आनन्द की जीभ भी अब साथ निभा रही थी ।

मेरी आँखें इस स्वर्ग से सुख के मारे बन्द हो चुकी थीं और मैं आनन्द के प्यार को महसूस कर रही थी, जो मेरे बदन पर बहने लगा था ।

अचानक से आनन्द ने अपने होंठ मेरे होंठों पर रख दिए और चूसने लगा ।

मैं भी उसके होंठ काट कर चूसने लगी । अब मेरी चूत रस छोड़ रही थी ।

उधर आनन्द का एक हाथ चूत को ऐसे सहला रहा था जैसे किसी बच्चे को सहला रहा हो ।

इतने प्यार से वो चूत से खेल रहा था, दूसरा हाथ मेरे उरोजों की मालिश कर रहा था और उसके होंठ मेरे होंठों का अमृत पी रहा था । मैंने भी होंठ को चूसते हुए आनन्द के लंड को मेरे हाथ में ले लिया और उसे मसलने लगी ।

कहानी जारी रहेगी ।

मुझे आप अपने विचार यहाँ मेल करें ।

ro888ma@gmail.com

Other stories you may be interested in

काम प्रपंच : दोस्तों के लंड

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा प्रणाम. मैंने कुछ महीनों पहले अपनी सेक्स कहानी पेश की थी दोस्त को जन्मदिन का तोहफ़ा जिसमें मैंने अपनी मंगेतर वैशाली को अपने दोस्त बृजेश को उसके जन्मदिन के तोहफ़े के तौर पर चोदने [...]

[Full Story >>>](#)

चचेरी बहन की चुदाई-3

इस कहानी के पिछले भाग चचेरी बहन की चुदाई-2 में आपने पढ़ा कि मेरी चचेरी बहन मेरा लंड चूसा कर मजा ले रही थी और मुझे भी बहुत मजा आ रहा था. अब आगे : मैं उसके मुँह में ही झड़ [...]

[Full Story >>>](#)

कुंवारी लड़की की सील कैसे तोड़ी

मेरे प्यारे दोस्तो, कैसे हो आप सब! आज मैं आपके लिए दिल छू लेने वाली एक कहानी लेकर आया हूँ जो कि कुछ समय पहले ही घटित हुई है. हुआ यूँ कि मेरी एक पुरानी कहानी भरपूर प्यार दुलार के [...]

[Full Story >>>](#)

चोदना था बेटी को मां चुद गयी

अन्तर्वासना की सभी चुदासी लड़की, भाभी, आंटी और कहानी पढ़ने वाले सभी चुतों को मेरे खड़े लंड का चोदता हुआ नमस्कार. मेरा नाम संतोष कुमार है, मैं अभी चेन्नई में जॉब करता हूँ और भोपाल का रहने वाला हूँ. अभी [...]

[Full Story >>>](#)

दीदी चुदी अपने यार से

मैंने अन्तर्वासना पर बहुत सारी कहानियाँ पढ़ी हैं. आज मेरा भी मन हुआ कि मैं भी आप लोगों के साथ एक कहानी शेयर करूँ. यह कहानी मेरी नहीं है बल्कि मेरी बहनों की है. कहानी शुरू करने से पहले मैं [...]

[Full Story >>>](#)

